[श्री भुपेंद्र यादव]

5.00 P.M.

और यह इसलिए कहना चाहते हैं कि जो शिक्षा है, वह मनुष्य की संभावनाओं को अभिव्यक्त करने के लिए न केवल अवसर देती है, बल्कि उसके जीवन में सार्थकता और आनन्द भी देती है। शिक्षा का महत्व जो मैंने ज्योतिबा फुले को कोट करके कहा है, उसका कारण यह है कि आज अगर हम देश को बड़ा बनाना चाहते हैं, और हम चाहते हैं कि हिन्दुस्तान दुनिया का सबसे बड़ा देश बने, तो उसके लिए बहुत आवश्यक है कि हमें अच्छे मानव संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जो मानव संसाधन हमें उपलब्ध कराने होंगे, वह मानव संसाधन केवल कागज़ी ज्ञान का विषय देने वाले नहीं होंगे, वह केवल कॉमर्शियल जानकारी देने वाले नहीं होंगे, बल्कि वह मानव संसाधन इस प्रकार का होगा कि व्यक्ति जो है, इस पूरी शिक्षा के माध्यम से, जड़ता से, अज्ञान से और शोषण से मुक्त होगा ...(**समय की घंटी**)... सेन्टेंस पूरा कर लूं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; Bhupender Yadavji, you can resume your seat. Hon. Members, Shri Naresh Agrawal has given a notice for Half-an-hour Discussion and the Chairman has admitted it. According to the rule, it has to be taken up between 5.00 and 5.30 P.M. It is only for thirty minutes. Now, Shri Naresh Agrawal can raise it.

HALF-AN-HOUR DISCUSSION

Points arising out of the answer to Starred Question No. 77 Given on 25th July, 2016 regarding 'Electrification of villages in Uttar Pradesh'

श्री नरेश अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभापति जी, मैंने इस विषय को नियम 60 के अंतर्गत इसलिए डाला, क्योंकि आज भी तमाम योजनाओं की सरकार की जो definitions हैं, उनके कारण जो दूर-दराज के इलाके और गांव में रहता है, जिसको आज़ादी के 70 साल बाद भी आज़ादी पता नहीं लगी, वह सही रूप से सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाता। सरकार ने "ग्रामीण विद्युतीकरण योजना" की एक स्कीम बनाई। पूर्व प्रधान मंत्री जी यहां बैठे हैं, इनके जमाने में "राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना" बनी। श्रीमन्, यह तय हुआ कि उस योजना के तहत हिन्दुस्तान के सारे गांव ही नहीं, बल्कि उनके hamlets, जिनको मजरे कहते हैं, उन सबको ऊर्जीकृत किया जाएगा। सरकार ने definition बना दी कि जिस गांव की शुरूआत में खंभा पहुँच गया, उस गांव को ये electrified मान लेंगे। उसकी फ़िगर के अनुसार, जो सरकारी आँकड़े आ रहे हैं, वे दुर्भाग्यशाली हैं। मैंने उस दिन प्रश्न किया था कि उत्तर प्रदेश के कितने गांव ऊर्जीकृत होने से रह गए हैं? उसका माननीय मंत्री जी ने जवाब दिया था कि केवल 173 गांव ऊर्जीकरण होने के लिए रह गए हैं। मंत्री जी, मैं आपके सामने कुछ फ़िगर्स रख रहा हूँ।

श्रीमन्, उत्तर प्रदेश में कुल 1,72,000 गांव चिन्हित किए गए थे, बाद में revised list 1,60,000 गांवों की आई। अभी तक कुल 72,000 मजरे ऊर्जीकृत हुए हैं, बाकी पूरे के पूरे 80,000 से ऊपर गाँव अभी ऊर्जीकृत नहीं हुए हैं। उसका मुख्य कारण यह रहा कि करीब 1,200 करोड़ रुपये सेंट्रल गवर्नमेंट के ऊपर पेंडिंग है। राज्य सरकार ने ठेके दे दिए, ठेकेदारों ने ठेके ले लिए। जब

सारे ठेके हो गए, तो उनके अंतर्गत जितने गांव आते थे, उन सबको आपने ऊर्जीकृत मान लिया। आपने 1,200 करोड़ रुपये रिलीज़ नहीं किए, जिसका नतीजा यह हुआ कि उत्तर प्रदेश में आज 80,000 से ऊपर गांव बिना ऊर्जीकृत हैं। जैसा कि मैंने शुरू में कहा, आपने यह परिभाषा दी कि गांव के शुरू में अगर खंभा पहुँच गया, तो आप गांव को electrified मान लेंगे। बाद में, आपने कहा कि हम 10 कनेक्शंस पर गांव को electrified मानेंगे।

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री, कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा खान मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पीयूष गोयल): वह 10 प्रतिशत है। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवाल: वहां पर 10 लिए जा रहे हैं। 10 प्रतिशत और 10 कनेक्शंस में आपका चाहे जो भी अंतर हो, लेकिन वहां यह स्थिति है कि गाँव में एक प्रतिशत लोग भी कनेक्शन लेने को तैयार नहीं हैं। उसके कारण आप गांव में ट्रांसफॉर्मर नहीं लगा रहे हैं और गांव को electrified नहीं कर रहे हैं। आप 10 प्रतिशत कह रहे हैं, लेकिन हमने तो केवल 10 कनेक्शंस की बात कही है। 10 कनेक्शंस और 10 प्रतिशत में तो बहुत बड़ा अंतर है। इस कारण भी क्या तमाम गांव आपकी फ़िगर्स के अनुसार ऊर्जीकृत हो गए? वे ऊर्जीकृत नहीं हुए हैं। यह उत्तर प्रदेश की फ़िगर है। आपने जो फ़िगर दी और हम भी जो फ़िगर दे रहे हैं, वह उत्तर प्रदेश की ही दे रहे हैं।

आप कई बार उत्तर प्रदेश गए। हमने समाचार-पत्रों में पढ़ा कि ऊर्जा मंत्री कह गए कि देश में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है और उत्तर प्रदेश जितनी ऊर्जा चाहेगा, उतनी ऊर्जा उसको देंगे। माननीय मुख्य मंत्री जी यहां आए, आपने उनके साथ बैठक की। आपके और मुख्य मंत्री के बीच बैठक में समझौता हुआ और आपने तमाम घोषणाएँ कर दें कि ये पॉवर स्टेशंस लगेंगे, इसके लिए हम यह पैसा दे रहे हैं, उसके लिए हम यह पैसा दे रहे हैं। मैं आपके सामने फ़िगर्स रखना चाहता हूँ। 24 घंटे विद्युत सप्लाई करने के लिए आपने योजना मांगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने 19,000 करोड़ रुपए की योजना भेजी, लेकिन आपने केवल 7,000 करोड़ रुपए sanction किए। आपने 12,000 करोड़ रुपए क्यों नहीं sanction किए? इस तरह से उन्हें 24 घंटे बिजली कैसे मिलेगी, जिसकी आप वहां घोषणा करके आए थे। Feeder separation के लिए कहा गया कि गांव और शहर का feeder separate हो जाए, जिससे गावं की बिजली गांव पहुंच जाए और शहर की बिजली शहर पहुंच जाए। उसके लिए 7,100 करोड़ रुपए का provision हुआ, लेकिन आपने सिर्फ 3,250 करोड़ रुपए स्वीकृत किए। आप ये figures देख लीजिए कि कितना पैसा मांगा गया, कितनी figure है। उसके बावजूद आप कह रहे हैं कि ऊर्जा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हो गया है। 'प्रधान मंत्री ऊर्जा योजना' आ गयी — आजकल तो सारी योजनाएं माननीय प्रधान मंत्री जी के नाम से चल रही हैं।

श्री पीयूष गोयल: वह दीन दयाल उपाध्याय जी के नाम से है।

श्री नरेश अग्रवाल: चलिए, वह तो हम आगे बता देंगे कि दीन दयाल जी के नाम से है, लेकिन इस समय तो हर मंत्री प्रधान मंत्री योजना में जुटा हुआ है।

श्री पीयूष गोयल: इसमें बुरा क्या है?

श्री नरेश अग्रवालः मैं कह रहा हूं कि इस समय हर विभाग में, एक ज़माने में गांधी होता थे, अब प्रधान मंत्री हो गया है। मैं इसका बुरा नहीं मानता, यह होना चाहिए। जिसकी वजह से सरकार आयी है, जिसको इस देश की जनता ने चुनकर भेजा है, अगर उनके नाम पर योजना का नाम रखा जाए तो मैं उसका बुरा नहीं मान रहा हूं। गांवों में घरों में connection के लिए 4,100 करोड़ रुपए की स्कीम आपको उत्तर प्रदेश सरकार ने भेजी, आपने उसे कुल 1,115 करोड़ रुपए दिए, बाकी रुपए का क्या हुआ, क्योंकि सन् 2019 तक यह काम होना था। IPDS में 500 करोड़ रुपए pending हैं, 500 करोड़ रुपए जो आपने यूपी को देने हैं, वह आपने अभी नहीं दिए हैं। आप उस योजना को देख लीजिए, गांव के साथ शहर भी देख लीजिए — दोनों देखने को मिल जाएं तो ज्यादा अच्छा है। 'दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना' में आप खुद बता दें कि आपने उत्तर प्रदेश को कितना कहा था — 11th और 12th plan में तो जो स्वीकृत हुआ, हो गया, लेकिन 'दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना' में आपने जितना कहा था, उसमें करीब 7,000 करोड़ रुपए बाकी हैं। यह तो मैंने एक figure बतायी, आज इसी कारण से दो घंटे तक सदन नहीं चला कि हमारे मुख्य मंत्री जी आपको चिट्ठी लिख रहे हैं, दिल्ली में आकर बात कर रहे हैं, करीब सौ पत्र केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में लिखे गए, केंद्र सरकार से वाहवाही तो बहुत हुई, लेकिन मिल क्या रहा है? नितिन गडकरी जी ऐसी घोषणा करते हैं कि देश में एकदम परिवर्तन हो जाएगा। उन्होंने कह दिया कि दिल्ली से गाजियाबाद तक over bridge बन रहा है — आज तक वह शुरू भी नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश में सारे national highways बेकार पड़े हुए हैं, टूटे पड़े हैं, उन national highways पर काम नहीं हो रहा है। आज इसी बात पर दो घंटे सदन नहीं चला, तो हमारा यह आरोप है कि जानबूझ कर चुनाव के वर्ष में उत्तर प्रदेश की सरकार को बदनाम करने के लिए केंद्र सरकार सुनियोजित तरीके से उत्तर प्रदेश के लिए जो योजनाएं स्वीकृत हैं, जो उत्तर प्रदेश का अधिकार हैं — केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, बिहार के सांसद भी बैठे हुए हैं, बिहार के सांसद भी यही आरोप लगा रहे थे, जिन-जिन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी का शासन नहीं है, उन-उन राज्यों के लोगों को आप सुनियोजित तरीके से दंडित कर रहे हैं। यहां से आप यह कहते हैं कि हम पैसा दे रहे हैं और राज्यों में आप यह कहते हैं कि राज्य सरकारें काम नहीं कर रहीं। यह राजनीति से प्रेरित है। सर, अभी अन्य माननीय सदस्य भी इस पर अपनी बात कहेंगे, लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि आप ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा बदल दें। ग्रामीण विद्युतीकरण में दस या दस परसेंट, जो भी आपने रखा है, अगर वे connection नहीं मिलते हैं, तो भी गांव के छोर तक तो आपको लाइन पहुंचानी चाहिए, end तक तो पहुंचानी चाहिए। शुरूआत में आपने खम्भा गाड़ दिया और कह दिया कि गांव ऊर्जीकृत हो गया, यह तो एक तरीके से गांव के साथ नाइंसाफी है। इसलिए आप आज यह घोषणा करिए कि वह गांव ऊर्जीकृत माना जाएगा, जिस गांव के अंतिम छोर तक आप बिजली पहुंचा देंगे — connection कब मिले, कब न मिले — गांव को ऊर्जीकृत कर दिया जाए, यानी transformer लगाकर गांव में बिजली चालू कर दी जाए। उत्तर प्रदेश की जो figures मैंने आपको दीं, उनके बारे में आप बताएं क्योंकि आप तो कह आए कि हमारे पास surplus बिजली है, उत्तर प्रदेश जितनी बिजली मांगे, हम दे देंगे। हम लोगों ने tender डाला तो 4 रुपए से नीचे की दर पर बिजली नहीं मिल रही। आप कहते हैं कि हम 2 रुपए में बिजली दे देंगे, तो फिर Uttar Pradesh Power Corporation Limited को 4 रुपए का tender क्यों डालना पड़ा? आप हमें 2 रुपए की दर पर बिजली दे दीजिए, आप आज इसकी घोषणा कर दीजिए कि उत्तर प्रदेश जितनी भी बिजली मांगेगा, हम

2 रुपए की दर पर दे देंगे — यह घोषणा आप आज कर दीजिए, हम आपकी वाहवाही करेंगे, लेकिन कम से कम आप दीजिए तो सही। हम पावर कारपोरेशन को उस समय छोड़कर आए थे, जिस समय यह बना था। उस समय बॉयफरकेशन हुआ था, तो जीरो ऋण पर करके आए थे। आज 50 हजार करोड़ रुपये से ऊपर पावर कारपोरेशन पर ऋण है। अगर पावर कारपोरेशन के ऊपर ऋण की यही स्थिति बनी रही, ...(**समय की घंटी**)... मैं खत्म कर रहा हूं। देश के करीब-करीब सभी राज्यों के पावर कारपोरेशन्स की स्थिति बड़ी खराब है। मैं पूछना चाहूंगा कि क्या इन कारपोरेशन्स के कर्ज को अदा करने का कोई प्लान आपने बनाया है?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, the Minister can reply.

श्री पीयूष गोयलः उपसभापति महोदय, बहुत खुशी की बात है कि "उत्तर प्रदेश के गांवों का विद्युतीकरण" के विषय पर चर्चा हो रही है। यह बहुत ही संवेदना का विषय है और बहुत दुर्भाग्य का विषय है। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः उपसभापति जी, माननीय डी. पी. त्रिपाठी जी भी प्रश्न पूछना चाहते हैं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will call other hon. Members, after the Minister has replied to you. It is like question-answer where others will be allowed to ask supplementaries. Everybody will ask only questions. …(*Interruptions*)… The Minister is replying to you now. If you don't want his reply to you, then I will call other Members.

SHRI NARESH AGRAWAL: Sir, is it a reply to me, or to the House?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, it is a reply to the House, but to the questions raised by you.

श्री नरेश अग्रवालः इस सदन को आपके माध्यम से रिप्लाई कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I am going by the procedure.

श्री पीयूष गोयलः सर, यह बहुत अच्छी बात है कि सदन के माध्यम से पूरा देश यह जान ले कि ग्रामीण विद्युतीकरण के विषय में इस देश में पहले क्या काम हुआ और अब गत दो वर्षों में, जब से प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार आई है, तब से किस प्रकार से इस काम में गति आई है, किस प्रकार से काम में तेजी आई है। माननीय सदस्य स्वयं उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री रहे हैं और भली-भांति जानते हैं कि गांव और गांव के intensive electrification में फर्क क्या है? गांव की एक परिभाषा देश में काफी समय से census village की चलती आ रही है। मैंने census village को तय नहीं किया है, census village तो census के हिसाब से बनते हैं। इस समय देश में लगभग 6 लाख census villages हैं और उन सब census villages का, ग्रामीण इलाकों का विद्युतीकरण करना देश की प्राथमिकता है। देश के सभी गांवों तक बिजली पहुंचे, यह एक अच्छा काम शुरू हुआ था, देश भर में कई जगह पर अच्छी प्रगति हुई थी और उत्तर प्रदेश में उस काम का क्या हुआ, वह मैं अभी सदन के समक्ष रखने जा रहा हूं।

माननीय सदस्य जो मंझले टोले की बात कर रहे हैं, तो census village के अंदर कई

[श्री पीयूष गोयल]

मंझले टोले होते हैं। एक census village है, उसके अंदर हो सकता है कि 10 मंझले टोले हों, 50 मंझले टोले हों, 100 मंझले टोले हों, अन्य प्रकार से अन्य-अन्य राज्यों के हिसाब से स्थिति बदलती है। आपने अभी स्वयं ही कहा — एक तरफ सरकारी आंकड़े हैं कि एक लाख 60 हजार गांव हैं, पहली बात तो यह है कि उत्तर प्रदेश में एक लाख 60 हजार census गांव हैं ही नहीं।

श्री नरेश अग्रवालः गांव नहीं, मंझले टोले।

श्री पीयूष गोयलः मैं आपके words बता रहा हूं, आप रिकॉर्ड निकाल लीजिए। आपने जो कहा है, वह मैंने लिखा है। फिर आपने कहा कि 72 हजार मंझले इलेक्ट्रिफाइड हैं, तो दोनों ही चीजें गलत हैं। पहली बात तो एक लाख 60 हजार गांव उत्तर प्रदेश में हैं ही नहीं। उत्तर प्रदेश के सरकारी आंकड़े मेरे पास हैं। एक बात तो मैं पूरे सदन को बता देना चाहता हूं कि केंद्र सरकार इन आकड़ों के लिए पूरे तरीके से, शत-प्रतिशत राज्य सरकार पर डिपेंडेंट होती है। राज्य सरकार आंकड़े देती है और मेरे पास पूरे उत्तर प्रदेश के आंकड़े यहां पर उपलब्ध हैं। पूरे उत्तर प्रदेश में 2011 के census के अनुसार 97,813 inhabited villages थे। हां, मंझले टोले तो मुझे नहीं मालूम वे दो लाख हो सकते हैं, पांच लाख हो सकते हैं, कितने भी हो सकते हैं और उसका आंकड़ा केंद्र सरकार के पास नहीं है, वह राज्य सरकार के पास होगा। यह 97,813 का आकंड़ा हमें राज्य सरकार ने जिसे आज माननीय सदस्य की ही पार्टी चलाती है, उसने हमें लिखित रूप से, चिट्ठी के माध्यम से UP Power Corporation Limited ने 26 फरवरी, 2015 — इसमें डेट गलत लिखी है, परन्तु यह माइनर बात है, टाइपिंग मिस्टेक हो सकती है — 26 फरवरी, 2015 को Rural Electrification and Planning Organisation, UP Power Corporation ने, जिसका शक्ति भवन एक्सटेंशन में दफ्तर है, लिखकर दिया है। हमने उनसे 11 फरवरी को मांगा था। उसने हमें लिखकर दिया है कि आज के दिन जो remaining un-electrified villages हमारे प्रदेश में हैं उनमें total 1,618 हैं और 1,618 में भी 1,462 के फंड्स केंद्र सरकार ने हमें एलोकेट कर दिए हैं, sanctioned already under the DDUGJY scheme. Remaining 156 गांवों में ग्रामीण विद्युतीकरण नहीं हुआ है। हमने उनसे इनकी जानकारियां मांगी, तो उन्होंने जानकारियां देते हुए उनकी कुछ गलतियां निकलीं, तो फिर उन्होंने अपनी खुद की figures रिवाइज़ कीं। उन्होंने हमें 1.4.2015 को यह बताया कि कितने गांव un-electrified हैं, टोटल 1,529.

श्री नरेश अग्रवालः आप गांवों के बारे में बात कर रहे हैं और मैं मंझले के बारे में कह रहा हूं।

श्री पीयूष गोयलः मैं गांवों की बात कर रहा हूं। आपने जो प्रश्न किया है ...(**व्यवधान**)....

श्री नरेश अग्रवालः वहां मंझला भी है। आपकी जो योजना है ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी, आप मिसलीड मत करिए। ....(**व्यवधान**).. ..

श्री पीयूष गोयलः मैं कोई मिसलीड नहीं कर रहा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः आपकी जो योजना है, वह गावं के हर मंझले के लिए है। ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति जी, ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः सर, मुझे लगता है कि जोर से चीखने से कोई विषय बदलता नहीं है ...(**व्यवधान**)... और सच्चाई बदलती नहीं है। यह माननीय सदस्य का ...(**व्यवधान**)... मैं अर्ज करूंगा ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः नरेश जी सुनिए, ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः आप पहले पढ़ लीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः आप यह सही नहीं कह रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him complete. ...(*Interruptions*)... After that, I can allow you. ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL: Please read the letters. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, there is one thing, which I have to tell you. The total time is only thirty minutes. ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL: Sir, you will have to give more time because he is making * allegation. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. Rules do not permit. ...(*Interruptions*)... Listen please. Let me complete. Total time is thirty minutes. ...(*Interruptions*)... I have names of four Members, who have to speak. ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL: Sir, if they disturb like this, what can I do? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please take two to three minutes. ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL: No, Sir. I cannot finish... ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please finish it in two to three minutes. ...(*Interruptions*)...

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): Sir, I have a point of order. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. ...(*Interruptions*)... No point of order in this Half-an-Hour Discussion. ...(*Interruptions*)...

SHRI BHUBANESWAR KALITA: Sir, the Minister has said something unparliamentary. ...(*Interruptions*)... He is saying something unparliamentary. ...(*Interruptions*)... This is my point of order. ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL: Please tell me what is unparliamentary ...(*Interruptions*)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRI BHUBANESWAR KALITA: Sir, the Minister said, * allegation. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will look into it. ...(*Interruptions*)...

SHRI BHUBANESWAR KALITA: He can say, 'untrue'. ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL: * allegation cannot be unparliamentary. ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will go through the records.

SHRI PIYUSH GOYAL: * allegation cannot be unparliamentary. ...(*Interruptions*)... सर, जो इनका नोटिस है ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, please finish in three minutes.

श्री पीयूष गोयलः 50 प्रतिशत गांव, ये स्वयं 'गांव' बोल रहे हैं। आप unnecessary complicate कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः माननीय सभापति जी, मैंने जो 1,60,000 की figures दी हैं ...(**व्यवधान**)... और ये और बात कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your point is on record. No, no. It is okay. ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवालः माननीय मंत्री जी, सत्य से बहुत परे की बात कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... हम सवाल करेंगे और ये सत्य से परे ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः नरेश जी, आपने जो बोला है, वह रिकॉर्ड में है, that is enough. ...(*Interruptions*)...

श्री पीयूष गोयलः उपसभापति महोदय, फिर आप दूसरा विषय देखिए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, take three minutes more only. ...(*Interruptions*)...

श्री पीयूष गोयलः Census village के अलावा देश में जो मंझले टोले होते हैं, इनके लिए एक intensive electrification programme होता है। उत्तर प्रदेश में जितने मंझले टोले हैं, उन सबको intensive electrification में कवर करने के लिए भी योजना है और उसके लिए भी फंड्स एलोकेट किए गए हैं। जो गरीबों के घर हैं, उनमें बिजली पहुंचाने के लिए ग्रामीण विद्युतीकरण में फंड एलोकेट किया गया है। सर, आप देखिए, इनके पास 11 हजार करोड़ रुपए 1 अप्रैल, 2015 को पुरानी स्कीमों से सेन्ट्रल गवर्नमेंट से सेंक्शन्ड थे, जिसका इन्होंने इस्तेमाल ही नहीं किया। .... (**व्यवधान**)... इन्होंने इस्तेमाल क्यों नहीं किया? आप देखिए, 2007-08 में इन्होंने सिर्फ 504 करोड़ रुपए लिए और 2008-09 में 77 करोड़, 2009-10 में 72 करोड़, 2010-11 में 68 करोड़, 2011-12 में

*Expunged as ordered by the Chair.

85 करोड़ लिए और काम ही कुछ नहीं किए। अब बोल रहे हैं कि पैसा दो। ...(**व्यवधान**)... इनके पास 11 हजार करोड़ रुपया सेंक्शन्ड था, जिसको इन्होंने इस्तेमाल नहीं किया। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him finish. ...(*Interruptions*)... Please take only two more minutes. ...(*Interruptions*)... Mr. Minister, you have only two more minutes to finish. ...(*Interruptions*)...

श्री पीयूष गोयलः डिप्टी चेयरमैन सर, गांव-गांव में बिजली पहुंचाने के काम में ...(**व्यवधान**)... 2012-13 में एक भी गांव में विद्युतीकरण नहीं किया, 2013-14 में भी किसी गांव में नहीं किया। 2014-15 में हमारी सरकार केंद्र में आई ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Minister, you have only two more minutes to finish. ...(*Interruptions*)...

श्री पीयूष गोयलः हमने 551 गांवों में नया विद्युतीकरण किया। ...(**व्यवधान**)... 2015-16 में ...(**व्यवधान**)... ये मंझले टोले की बात कर रहे हैं। मंझले टोले में पूरे पांच सालों में ...(**व्यवधान**)... चाहे वह इनकी सरकार हो या इनसे पहले की सरकार हो ...(**व्यवधान**)... इसलिए काम को गति नहीं दी ...(**समय की घंटी**)... काम नहीं किया ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; that is enough. ...(*Interruptions*)... Now let me call others. ...(*Interruptions*)...

श्री पीयूष गोयलः आज भी 11 हजार करोड़ पुराने ...(**व्यवधान**)... और 7 हजार करोड़ हमने दिए हुए हैं ...(**व्यवधान**)... टोटल 18 हजार करोड़ ...(**समय की घंटी**)... ये काम की गति को बढ़ा नहीं रहे हैं। ...(**समय की घंटी**)... हमने आने के बाद जब पूरा जोर लगाया, तभी उस काम में गति आई है।..(**व्यवधान**)..

श्री उपसभापतिः अभी बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः मैं समझता हूं ..(**व्यवधान**).. आपको जानकर हैरानी होगी ...(**व्यवधान**)... जो काम 11वें प्लान में होना था ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You will get one more chance. Sit down.

श्री नरेश अग्रवालः उपसभापति जी ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः वह आज तक खत्म नहीं हुआ है। 11वें प्लान में जो काम होना था ...(**व्यवधान**)... अभी तक खत्म नहीं हुआ है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You will get one more chance.

श्री पीयूष गोयलः 12वें प्लान के चार वर्ष पूरे हो गए। ...(**व्यवधान**)... इन्होंने मात्र 9 प्रतिशत गांवों में, मंझले टोले में बिजली पहुंचाई। ...(**व्यवधान**)... गरीबों के घरों में ...(**व्यवधान**)... जिसके लिए हमने इनको पैसा दे रखा है। ...(**व्यवधान**)... पौने दो करोड़ ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no; there is no time.

श्री पीयूष गोयलः गरीबों के घरों में बिजली देने के लिए पैसा दिया था, इन्होंने मात्र बीस प्रतिशत घरों में बिजली पहुंचाई। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, that is enough.

श्री पीयूष गोयलः हम पर ...(**व्यवधान**)... केंद्र पर ...(**व्यवधान**)... आरोप लगाकर ...(**व्यवधान**)... गलत बात बोल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; that is enough. Now, Shri D. P. Tripathi. ..(*Interruptions*).. Shri D. P. Tripathi, you can put your questions. ..(*Interruptions*)..

श्री नरेश अग्रवालः उपसभापति जी, "लफ्फाज़ी" शब्द parliamentary है या unparliamentary है, यह मैं नहीं कह सकता हूं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will go through the records.

श्री नरेश अग्रवालः यह उर्दू का शब्द है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will go through the records. If it is unparliamentary, I will expunge it, don't worry.

श्री नरेश अग्रवालः माननीय मंत्री पूर्ण रूप से "लफ्फाज़ी" शब्द का इस्तेमाल कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will go through the record. ...(*Interruptions*)... आप अभी बैठिए, बैठिए ...(**व्यवधान**)...

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश)**:** आप नहीं बोल रहे हैं, ये बोल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

एक माननीय सदस्यः *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; it is not going on record. ...(*Interruptions*)... Tripathiji, there is no time. Put your question. ...(*Interruptions*)... In one minute, you put your question.

श्री डी. पी. त्रिपाठी (महाराष्ट्र)**:** माननीय उपसभापति जी, मैं हमेशा बहुत संक्षेप में प्रश्न पूछता हूं। 2011 की जनगणना के अनुसार विद्युतीकरण का राष्ट्रीय औसत 67.2 परसेंट था, लेकिन उत्तर प्रदेश में 36.8 परसेंट था। एक अध्ययन के अनुसार 2015 में जो स्थिति आई है, उसमें 98 परसेंट विद्युतीकरण हुआ है, लेकिन बिजली की पहुंच सिर्फ 60 प्रतिशत घरों तक है। सिर्फ पांच प्रतिशत घरों में बीस घंटे से ज्यादा बिजली रहती है, बाकी सभी में, चार में से तीन घरों में, 12 घंटे से भी बहुत कम बिजली मिलती है। मेरा एक प्रश्न तो यह है कि ऐसा क्यों है? मेरा माननीय मंत्री महोदय से दूसरा प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश को, 2015-16 में विद्युतीकरण के लिए केंद्र से अभी तक कितना अनुदान दिया गया? मेरे केवल ये दो प्रश्न हैं।

---

*Not recorded.

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH (Tamil Nadu): Sir, I just want to put two points here. One is, our founder leader, the former Chief Minister of G. Ramachandran, brought a scheme, 'one light for one household'. ...(*Interruptions*)...

श्री उपसभापतिः यह उत्तर प्रदेश की बात है। **...(व्यवधान)...**

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: It is regarding that. ...(*Interruptions*)... My question is regarding the Deen Dayal Upadhyaya Gram Jyoti Yojana. The Government of Tamil Nadu has requested to allot a sum of ₹ 2,385 crores under Deen Dayal Upadhyaya Gram Jyoti Yojana for system strengthening and infrastructure development.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is not relevant to this. ...(*Interruptions*)...

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: Sir, I just want to know whether this will be achieved. The rural electrification ...(*Interruptions*)... has already been hundred per cent achieved in our State.

श्री उपसभापतिः ओ. के., आप उत्तर प्रदेश के बारे में प्रश्न पूछिए।

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: We are proudly stating that. Now, I want to know whether for the strengthening of infrastructure development, funds for these projects will be given shortly by the Government.

SHRI RAJEEV SHUKLA (Maharashtra): Sir, power cut has become a usual phenomenon in Uttar Pradesh and it has become a household name. Leave apart villages, even cities are not getting power supply for more than 10 to 15 hours. So, it is a major problem, a major menace, in the State. मंत्री जी ने जो जवाब दिया है, उससे लगता है कि गांवों में बहुत जगह बिजली पहुंचा दी गयी है, लेकिन नरेश जी ने कहा कि वहां सिर्फ खंभे और तार पहुंचे हैं, बाकी कहीं बिजली पहुंची नहीं है। मंत्री जी आप electrification के लिए तार ले जाते हैं, लेकिन major problem यह है कि आपके पास बिजली नहीं है। तो केंद्र सरकार ने बिजली उत्पादन के लिए, enhancement in power generation के लिए आपने कितना बढ़ाया और स्टेट गवर्नमेंट्स का कितना बढ़ा? मंत्री जी बताएं कि स्टेट गवर्नमेंट्स के पॉवर प्लांट्स का Plant Load Factor कितना नीचे है या कितना बढ़ा है और कितने मेगावॉट बिजली की कमी है, जिस की वजह से उत्तर प्रदेश में समस्या आ रही है? अगर power generation नहीं बताएंगे, तो सिर्फ खम्भे गाड़ देने और तार बांध देने से आप सोचें कि electrification हो गया है, यह ठीक नहीं है। तो सेंट्रल गवर्नमेंट के लेवल पर power generation की क्या हालत है और खास तौर से आपने यू.पी. के लिए कितनी allocate की है, साथ ही यू.पी. में स्टेट गवर्नमेंट्स के जो पॉवर प्लांट्स हैं, उनकी power generation कितनी बढ़ी है?

श्री नरेश अग्रवालः माननीय उपसभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से specifically दो-तीन चीजें पूछना चाहता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: But remember the time-limit. It is only three minutes.

श्री नरेश अग्रवालः उत्तर प्रदेश का टोटल central generation में कितने मेगावाट का शेयर है। वह कितने प्रतिशत है और आप उसे कितना दे रहे हैं? उत्तर प्रदेश ने आप से अतिरिक्त कितनी बिजली मांगी है और वह बिजली आप उत्तर प्रदेश को दे रहे हैं या नहीं दे रहे हैं? नंबर दो, आप गांव के ऊर्जाकरण की परिभाषा कैसे करते हैं क्योंकि मैं जो गांव कह रहा हूं, उस में मजरों की बात कर रहा हूं और आपने लिखा-पढ़ी में गांव कहा है जब कि मैं मजरों की बात कर रहा हूं। मैं जानना चाहूंगा कि उत्तर प्रदेश में गांव मजरे मिलाकर टोटल कितने मजरे हैं? उन में से कितने electrified हुए, कितना रुपया बाकी है और आपकी गांव के electrification की परिभाषा क्या है? मैं ये दो चीजें जानना चाहता हूं।

श्री पीयूष गोयलः सर, माननीय त्रिपाठी जी ने सही कहा कि उत्तर प्रदेश की हालत बहुत खराब है, लेकिन उसमें राज्य सरकार को ही प्रोजेक्ट्स को implement करना है। केंद्र सरकार ने तो 11000 करोड़ पुराने और 7000 करोड़ मिलाकर 18000 करोड़ दे रखे हैं, लेकिन आज दुख के साथ कहना पड़ता है कि ये जो पूरे गांव हैं, इनका जैसा कि माननीय सदस्य पूछ रहे हैं, मात्र 22 प्रतिशत intensive electrification यू.पी. में हुआ है। सर, पैसा होने के बावजूद सिर्फ 20,419 ऐसे गांव हैं, जहां सब जगह बिजली पहुंची है। इस के लिए हम बार-बार राज्य सरकार की monitoring करते हैं, उसे कहते हैं, लेकिन उसका काम तेज गति नहीं पकड़ रहा है। सर, जहां गरीबों के घरों में बिजली पहुंचाने की बात है, राज्य सरकार द्वारा मात्र 30 प्रतिशत गरीबों के घरों में बिजली पहुंचायी गयी है। सर, यह देश का सब से bottom State है। देश के पूरे 29 स्टेट्स में सब से बुरी स्थिति कहीं है, तो वह उत्तर प्रदेश में है और पिछले 5-10 वर्षों में जिस प्रकार से उत्तर प्रदेश में विद्युतीकरण का काम किया गया है, यह उस का परिणाम है। जहां तक आपूर्ति का सवाल है, राज्य में भरपूर बिजली की आपूर्ति है। सर, जिस राज्य को जितनी बिजली चाहिए, आज हम उसे 50 प्रतिशत भी बढ़ा सकते हैं, हमारे पास इतनी बिजली देश में available है। ...(**व्यवधान**)... उत्तर प्रदेश के लिए जितनी बिजली चाहें, ये खरीद सकते हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः सुनिए, पहले सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः सर, ये राज्य सरकार पर आरोप लगा रहे हैं ...(**व्यवधान**)... ये जानबूझकर उत्तर प्रदेश को बदनाम कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः सर, गुजरात में 24 घंटे ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः मैं क्या कर सकता हूं? ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः पंजाब में 24 घंटे, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिमी बंगाल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, सब जगह 24 घंटे उपलब्ध है। ...(**व्यवधान**)... उत्तर प्रदेश में राज्य सरकार का खुद का आंकड़ा है कि गांवों में मात्र साढ़े 13 घंटे बिजली ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः मैं क्या कर सकता हूं? ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः और सर, उत्तर प्रदेश बकाया पैसा भी नहीं भरता है। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः मैं क्या करूं ? ...(**व्यवधान**)... उन्होंने जो बोलना है, वे बोलेंगे।

श्री पीयूष गोयलः इन्होंने कोल इंडिया के ...(**व्यवधान**)... एनटीपीसी के 550 करोड़ भरने

हैं, टेरी के 1485 करोड़ भरने हैं ...(**व्यवधान**)... आज 3872 करोड़ रुपए इन्होंने भरने हैं, लेकिन ये पे नहीं कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापतिः श्री शिव प्रताप शुक्ल, आप बोलिए।

श्री शिव प्रताप शुक्ल (उत्तर प्रदेश)**:** मान्यवर, माननीय मंत्री जी ने बताया है कि केंद्र सरकार ने इन-इन मदों में इतना पैसा दिया है। ...(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Time is over. ...(*Interruptions*)... Half-an-hour Discussion is over. ...(*Interruptions*)... Sit down. It is over. ...(*Interruptions*)... Now, Shri Bhupender Yadav can continue his speech. ...(*Interruptions*)... That discussion is over. ...(*Interruptions*)...

[THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA) *in the Chair*]

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): Please resume your seats. ...(*Interruptions*)... Agrawalji, please. ...(*Interruptions*)... He is speaking. ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवालः सर, इन्होंने जो बोला है, उसको कार्यवाही का अंग न बनाएँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः बिजली के लिए पैसा देना पड़ता है। ...(**व्यवधान**)... वेबसाइट पर जाकर बिजली खरीद सकते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं इतना कहूँगा कि माननीय मंत्री जी ने ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः सर, अगर उनको बोलने दिया जा रहा है, तो मुझे भी उसका जवाब देने का मौका मिलना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... जब इनके पास कोई statistics, कोई तंत्र नहीं है, ...(**व्यवधान**)... तो इस प्रकार की गतिविधियों पर उतर आते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं कहना चाहूँगा कि मैंने माननीय मंत्री जी से जो प्रश्न किया था, उसका जवाब उन्होंने नहीं दिया। ...(**व्यवधान**)... मैंने कहा कि जितना रुपया बाकी है, वह नहीं दिया। माननीय मंत्री जी, आप राजनीतिक रूप से जो बयान दे रहे हैं, मैं इसको बहुत उचित नहीं समझता हूँ।

श्री पीयूष गोयलः मैं सच्चाई बता रहा हूँ।

श्री नरेश अग्रवालः मैंने जितना पूछा, आपने नहीं बताया। जिस तरह से इन्होंने आरोप लगाए हैं, उसको कार्यवाही से निकाल दिया जाए। ...(**व्यवधान**)... उसको कार्यवाही का अंग न बनाएँ। ...(**व्यवधान**)... वह कार्यवाही का अंग नहीं होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः राज्यों से जो statistics आया है, मैं वही बता रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री नरेश अग्रवालः नहीं तो हमारी तरफ से ...(**व्यवधान**)... हम जो बात कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)... मेरा साफ-साफ कहना है कि मंत्री जी जान-बूझकर उत्तर प्रदेश को बदनाम करने के लिए आरोप लगा रहे हैं। मैं उसकी निन्दा करता हूँ, खुलेआम निन्दा करता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयलः मैंने कोई बात ऐसी नहीं बताई, जो राज्य सरकार की statistics न हो। ...(**व्यवधान**)... जो data राज्य सरकार ने दिया है, वह मैंने सदन के सामने रखा है। ...(**व्यवधान**)... अगर इनकी सरकार वहां काम न करे, तो उसका नुकसान उन्हीं को भरना पड़ेगा। ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): Agrawalji, the discussion is over. ...(*Interruptions*)... You asked some questions. He replied. ...(*Interruptions*)... Agrawalji, he has replied to your questions. If you are not satisfied with those replies or if his replies are not satisfactory to you, like you moved this Half-an-hour Discussion, on a substantive motion, you can ask the same thing. ...(*Interruptions*)... The discussion is over. ...(*Interruptions*)... Let us resume the other one. ...(*Interruptions*)... We took up your discussion exactly at 5 o'clock. At 5.30 p.m., kindly leave it for the other discussion. ...(*Interruptions*)... You have expressed what you wanted. ...(*Interruptions*)... If you are not convinced with the reply of the Minister, on a substantive motion, you can seek your clarifications. ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL : How they have.....(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): Please sit down. ...(*Interruptions*)... Mr. Minister, please. ...(*Interruptions*)... I am speaking on your behalf. ...(*Interruptions*)... Please. ...(*Interruptions*)... Agrawalji. ...(*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवालः सर, मैं इसे उचित नहीं मानता हूँ। ...(**व्यवधान**)... श्रीमन्, माननीय मंत्री जी के ...(**व्यवधान**)... इनके बयानों का मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): Please cooperate. ...(*Interruptions*)... See, you are a senior Member. ...(*Interruptions*)... Please listen. ...(*Interruptions*)... Let any one of you talk. ...(*Interruptions*)... Please. ...(*Interruptions*)... See, you asked for a Half-an-hour Discussion. ...(*Interruptions*)... Whatever you may feel, ...(*Interruptions*)... See, the previous discussion was stopped, in-between, sharp at 5.00 p.m. ...(*Interruptions*)... You were given the floor. At 5.30 p.m., this discussion is over. ...(*Interruptions*)... If you are not convinced, kindly, on a Substantive Motion..... (*Interruptions*)...

श्री नरेश अग्रवालः माननीय मंत्री जी चूँकि तथ्यों से परे बोले हैं, उन्होंने पूरा राजनीतिक भाषण दिया है और उत्तर प्रदेश सरकार पर गलत आरोप लगाए हैं, इसके विरोध में मैं और हमारा दल सदन से walk out करते हैं। ...(**व्यवधान**)...

(इस समय कुछ माननीय सदस्य सभा से बाहर चले गए)

श्री पीयूष गोयलः उपसभाध्यक्ष जी, मैंने जो कहा है, वह सत्य कहा है। ...(**व्यवधान**)... जो आंकड़े राज्य सरकार से आए हैं ...(**व्यवधान**)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): Please, it is over.

...(*Interruptions*)... The discussion is over. ...(*Interruptions*)... Yes, Mr. Bhupender Yadav. ...(*Interruptions*)... You please continue. ...(*Interruptions*)...

SHRI RAJEEV SHUKLA: Sir, he has not replied to my question. ...(*Interruptions*)... What I have said is, the highest power generation has been.....(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): No, no. That is over. ...(*Interruptions*)... That discussion is over. ...(*Interruptions*)...

SHRI RAJEEV SHUKLA: What has the State Government done? ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL: Have a debate. ...(*Interruptions*)... Let us ask for a debate. ...(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): That discussion is over. ...(*Interruptions*)... Mr. Bhupender Yadav. ...(*Interruptions*)... Please sit down. ...(*Interruptions*)...

SHRI PIYUSH GOYAL: There should be a debate on this. ...(*Interruptions*)...

SHORT DURATION DISCUSSION

The Draft National Education Policy, 2016 — *Contd.*

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI TIRUCHI SIVA): Mr. Bhupender Yadav, you please continue.

श्री भुपेंद्र यादवः सम्माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, इस सदन में नयी शिक्षा नीति पर चर्चा करने का जो प्रस्ताव दिया गया, उस प्रस्ताव को हमारे माननीय मंत्री जी ने तुरन्त स्वीकार भी किया। मैं यहां यह कहना चाहूँगा कि अभी तो यह नयी शिक्षा नीति का ड्राफ्ट है। चूँकि यह नयी शिक्षा नीति का ड्राफ्ट है, तो क्या देश के राजनीतिक जनमानस में अगर कोई ड्राफ्ट आ जाए..

श्री जयराम रमेशः यह ड्राफ्ट है या एक ड्राफ्ट है? ...**(व्यवधान)**...

श्री भुपेंद्र यादवः यह input for the draft है।

श्री जयराम रमेशः मंत्री जी ने कुछ और कहा था। ...**(व्यवधान)**...

श्री भुपेंद्र यादवः यह input for the draft है।

श्री जयराम रमेशः ठीक।

श्री भुपेंद्र यादवः यह input for the draft है और उससे पहले की एक प्रारम्भिक स्थिति है। मुझे लगता है कि एक राजनैतिक संवेदनशील विचार के रूप में, एक देश को बनाने की संकल्पना के रूप में, एक देश में शिक्षा नीति कैसी बने, उसके बारे में एक विचारवान और जागृत आदमी के रूप में सोचते हुए, किसी को भी यह नहीं कहना चाहिए कि इसको कबाड़ में फेंक दिया जाए।